करनाल बिजली विभाग एक संगठित भ्रष्टाचारियों का गिरोह है

बिना एन.ओ.सी के बिजली मीटर ट्रांसफर किया बिजली निगम के अफसरों ने निगम के कार्यालय से रिकार्ड गायब ,अभी तक नहीं हुई कार्रवाई

करनाल (म.मो.) उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के अधिकारियों ने पहले तो बिना एन.ओ.सी लिए बिजली का मीटर किसी दूसरे के नाम ट्रांसफर कर दिया। बाद में उन्होंने इसका रिकार्ड गायब कर दिया। इस मामले में न्याय के लिए 90 साल की बुजर्ग महिला दर-दर भटक रही हैं।

जानकारी के अनुसार सदर बाजार में बुजुर्ग महिला शांति देवी का मकान बना हुआ हैं। उनके मकान में उनके साथ उनकी पुत्र बधू अंजू ने उन्हें प्रताड़ित कर घर से बाहर कर दिया। बाद में उनके मकान पर कब्जा करने के लिए उनके नाम पर लगा बिजली का मीटर उनकी बिना सहमति के निगम के अफसरों की मिलीभगत से मीटर अपने नाम करवा लिया। जब इसका पता श्रीमती शांतिदेवी को चला तो उन्होंने विरोध किया। शिकायत की तो पता चला कि मीटर ट्रांसफर से सबंधित कागजात गायब हैं। और तो और शांतिदेवी द्वारा दिया आवेदन भी गायब कर दिया। शांतिदेवी ने करीब 25-30 साल पहले जो मीटर के लिए आवेदन किया था उसकी फाईल तथा दस्तावेज गायब हैं।

इसके बाद सवाल अफसरों की नीयत पर खड़े हो रहे हैं। जिस कार्यालय में दस्तावेज सुरक्षित नहीं हैं। वहां पर तो भगवान ही मालिक हैं। विभाग ने ना तो गलत काम करने वाली महिला के खिलाफ कोई कार्रवाई की है। और ना ही शांति देवी के नाम फिर से मीटर ट्रांसफर किया है। ना ही रिकार्ड गायब करने वाले कर्मचारी के खिलाफ कोई कार्रवाई की है। इसके लिए वह डेढ़ साल से लड़ाई लड़ रही हैं। बुजर्ग महिला शांतिदेबी ने 25 अक्तूबर 2017 को विद्युत निगम के कार्यालय में न्याय के लिए आवेदन किया था।

हैरानी की बात तो यह है कि जब धोखाधड़ी करने वाली महिला अंजू को विभाग ने 13 नवंवर 2017 को नोटिस दिया तो उसने जवाब दिया कि उसे पता ही नहीं कि मीटर उसके नाम कैसे ट्रांसफर हो गया। वह इस मामले में अज्ञान हैं। उसके बाद में भी 16 फरवरी को अंजू को नोटिस दिया। कि वह वापस शांति देवी के नाम मीटर ट्रांसफर कर रहे हैं। इसके बाद भी अभी तक मीटर ट्रांसफर नही हुआ हैं। उसके बाद 16 जुलाई 2018 को नोटिस दे कर दो दिन में जबाव तलब किया। यहां पर विभाग ने 90 साल की बुजुर्ग महिला को दो दिन के अन्दर भी नोटिस देकर पेश होने को कहा है। निगम ने बुजुर्ग महिला की उम्र का भी लिहाज नहीं किया। यहां पर गलती निगम के अफसरों की है तो सजा भी उन्हीं को मिलना चाहिए। और तो और रिकार्ड गायब करने व बिना दस्तावेजों के मीटर ट्रासंफर करने वाले अधिकारी के खिलाफ कारवाई न कर उसे भी बचाने का प्रयास किया जा रहा है। बिजली विभाग एक संगठित गिरोह है ।

सूत्रों का कहना है कि एस डीओ कन्जूमर क्लर्क दिनेश के हत्थे चढ़ा हुआ है। शिकायत कर्ता ने एसडीओ प्रवीन को सूचित कर दिया कि कन्जूमर क्लर्क अन्जू के पति का मित्र है और वह उसे सहयोग कर रहा है । शिकायत कर्ता ने अन्जू को विभाग द्वारा दिये गये नोटिस की प्रति मांगी । जिसे कन्जूमर क्लर्क को एसडीओ ने देने के मोखिक आदेश कर दिये। कन्जूमर कलर्क एसडीओ के आदेशों की पालना न करते हुये परेशान करने लगा । कभी कल आना और कभी सुनीता क्लर्क के पास से ले लो भेजने लगा। सुनीता ने एसडीओ को शिकायत की कि दिनेश जानबूझकर उपभाक्ताओं के मेरे पास भेज देता है जबकि सारा रिकार्ड उसके पास ही होता है। परन्तु एसडीओ ने कारवाई करने की बजाये यार-यार कह कर दिनेश को नोटिस की प्रति देने को कहा । समझ नही आया डांट डपट करने की बजाये यार-यार क्यों कहता है। यूँ कहा जा सकता है कि दिनेश एसडीओ का कमाऊ पूत है। जब एसडीओ से बात की तो उन्होंने हरियाणा राज्य जन सूचना आयोग का हवाला देते हुए कहा कि जो भी निर्णय होगा वही हम लागू करेंगे। जब कि कनैक्शन शान्ति देवी के नाम करने का मामला आयोग के पास है ही नहीं। वहां पर मामला रिकार्ड उपलब्ध करवा कर देने के बारे में हैं।

हांलाकि एक्सईएन राज्य जन सूचना आयोग में रिकार्ड गायब होने की जाँच विजिलैन्स से करवायेगें परन्तु समाचार लिखे जाने तक जाँच शुरू नही करवाई गई और न ही अभी तक शान्ति देवी के नाम मीटर किया गया ।

एसजीएम नगर पुलिस ने दलाल टंडन की 20 पेटी शराब पकड़ी

फ़रीदाबाद (म.मो.) 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस पर शराब बिक्री पर पाबंदी रहती है। सरकार नहीं चाहती कि इस पवित्र दिन पर लोग शराबखोरी करें। लेकिन तनेन्द्र टंडन जैसे 'इज्जतदार' शराब तस्तरों का गुजारा कैसे हो सकता है जब तक वे 100-200 पेटी शराब न बेच लें।

सरकार को दिखाने के लिये ठेकों के शटर बंद रखे जाते हैं लेकिन अपने एजेंटों के माध्यम से गली-गली मोहल्ले-मोहल्ले शराब की बिक्री करायी जाती है। इसी तरह का एक गुप्त बिक्री केन्द्र मकान नम्बर 3323 गली नम्बर 6 एसजीएम नगर में भी चलने की तैयारी में था कि थाना पुलिस ने मौके पर पहुंच कर 20 पेटी अंग्रेजी शराब अपने कब्जे में ले ली।

इस अवैध शराब का धंधा करने वाले सन्नी पुत्र सतीश कालरा ने पुछताछ करने पर पुलिस को बताया कि यह माल 5 नम्बर स्थित टंडन के ठेके का है। यहां से वह नियमित रूप से शराब की पेटियां लाकर इसी तरह बेचता है।

ऐसा नहीं है कि यह धंधा केवल एसजीएम नगर में ही चलता हो, एनआईटी के लगभग सभी थाना क्षेत्रों में धड़ल्ले से चलता है। पांच नम्बर में तो ऐसे दर्जनों ठिकाने हैं जहां से टंडन का ये कारोबार कभी थमता ही नहीं। जाहिर है पुलिस की मर्जी के बगैर यह धंधा चल भी नहीं सकता। जिस थाने की पुलिस उसे रोकना चाहे तो वह सन्नी जैसे लोग़ों को माल सहित दबोच लेती है वहीं अन्य थाना प्रभारी आंखे मीच कर झोली पसारे बैठे रहते हैं।

घर बैठे प्राप्त करें मज़दूर मोर्चा

आज ही अपने हॉकर से कहें कोई दिक्कत हो तो शर्मा न्यूज एजेंसी से फोन नं 9811159238 पर बात करें। बल्लभगढ के पाठक अरोडा न्यूज एजेंसी से 9811477204 पर बात करें:

अन्य बिक्री केन्द्र :

1. आनंद मैगजीन सैंटर केसी रोड, एनएच-5
2. प्रिंट फोर्ट, टेलीफोन एक्सचेंज के सामने नेहरू ग्राउंड
3. रेलवे बुक स्टाल ओल्ड रेलवे स्टेशन
4. 5 ई-18 नरेन्द्र बुक सेन्टर - 9810229192
5. एनआईटी रेलवे स्टेशन के बाहर बाटा चौक पुल के नीचे
6. राम खिलावन बल्लबगढ़ बस अड्डा पुलिस चौकी के सामने
7. हितेश ग्रोवर सैक्टर 29 पेट्रोल पम्प के पास
8. जितेन्द्र, बाटा सैंटर - 9971064207
9. सिंगला मेडिकल स्टोर, जवाहर कॉलोनी, डिस्पोजल चौक
10. आरसीएम स्टोर, बाबा बालकनाथ मंदिर वाली गली, जवाहर कालोनी, फ़रीदाबाद

FASHION.IN

Available all types of ladies cotton kurties, Fancy Kurties, Jegin, legin, Fancy Top, T-Shirts, Trousers and imported material in wholesale price.

SPECIALITY IN FANCY TOP & FANCY KURTIES

लेडीज कपड़ों पर भारी छूट
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें।

Address : 5M/22, N.I.T. FARIDABAD NEAR DAYANAND WOMEN COLLEGE, ST. JOSEPH CONVENT SCHOOL ROAD . 9911489490

गतांक की चीर-फ़ाड़

डॉ. जुगल किशोर गुप्ता

सरकार की पोल खोलने वाली मीडिया को मोदी बर्दाश्त नहीं करते

मज़दूर मोर्चा के 12-18 अगस्त 2018 के अंक में राष्ट्रीय क्षेत्रीय व स्थानीय ज्वलंत मुद्दों पर समाचार प्रकाशित हुये हैं। उत्तर प्रदेश में देवरिया शेल्टर होम में देह व्यापार का खुलासा करने वाली बच्ची की मां के सामने आने पर उसके बयानों ने वहां चल रहे सैक्स रैकेट और संचालक की वास्तविकता 'योगी के प्रतापगढ़ शेल्टर होम से भी 23 बच्चियां गायब, देवरिया कांड की जांच सीधे हाईकोर्ट की देखरेख में' से उजाग़र की गयी है।

दरिंदगी के मामले में मुजफ़्फ़रपुर, देवरिया व प्रतापगढ़ के शेल्टर होम ही शामिल नहीं हैं। टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ़ सोशल साइंसेज ने अपनी रिपोर्ट में बिहार के 14 शेल्टर होम में आश्रय लेने वाली लड़कियों के साथ यौन उत्पीड़न और मार-पिटाई का जिक्र किया है। पटना के एक शेल्टर होम में दो लड़कियों की संदिग्ध हालत में मौत हो गई है। उल्लेखनीय है कि इसी शेल्टर होम से 10 अगस्त को चार लड़कियों ने भी भागने की नाकाम कोशिश की थी। मुजफ़्फ़रपुर शेल्टर होम में बच्चियों से रेप के मामले में मुख्य आरोपी ब्रजेश ठाकुर के पास से पुलिस को तीन पर्चियां मिली हैं जिनमें मन्त्री सहित 50 से ज्यादा हाई प्रोफ़ाइल लोग़ों के नम्बर हैं, जिनसे ठाकुर की नियमित बात होती थी। इतने बड़े अमानवीय कांड में लिप्त नेताओं, अधिकारियों व पुलिस की निष्पक्ष जांच करके दोषियों को कड़ी से कड़ी सज़ा की आवश्यकता है।

देवरिया बालगृह प्रकरण में गिरफ्तारियां सिर्फ़ संचालकों तक ही सीमित रहने पर जांच कर रहे हाई कोर्ट ने योगी सरकार से पूछा है कि सिर्फ़ चार अधिकारियों पर ही कार्यवाही क्यों, जबकि इसमें और कई लोग नपने चाहिये। 'खबर (दार) झरोखा-नीतीश कुमार और योगी पर पोक्सो तलवार' में पोक्सो एक्ट की विभिन्न धाराओं की समीक्षा की गई है। इसलिये जांच का दायरा पोक्सो एक्ट की संबंधित धाराओं के अंतर्गत नीतीश व योगी तथा उनके नाकरशाहों की भूमिका की भी जांच की जानी चाहिये।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कुछ विशिष्ट बड़े कॉरपोरेट घरानों को फ़ायदा पहुंचाने में लगे रहते हैं। मोदीजी अडानी समूह के गौतम अडानी तथा स्टेट बैंक इंडिया की एमडी व सीईओ श्रीमती भट्टाचार्या को साथ लेकर आस्ट्रेलिया गये और वहां कोल माइनिंग का प्रोजेक्ट अडानी को दिला दिया तथा श्रीमती भट्टाचार्या ने वहीं अडानी को एसबीआई का 6000 करोड़ रुपये का लोन भी मंजूर कर दिया।

यूपीए सरकार द्वारा राफ़ेल विमान बनाने वाली फ्रांसीसी कंपनी डास्को एविएशन से 136 राफ़ेल विमान (प्रत्येक 576 करोड़ रुपये मूल्य का) लेने तथा हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्य लिमिटेड व डास्सो द्वारा भारत में ही 108 लड़ाकू विमान बनाने का करार हुआ था जिससे एचएएल को टैक्नोलॉजी व लाइसेंस मिलना था। परंतु मोदी सरकार ने 136 राफ़ेल विमान की बजाय केवल 36 राफ़ेल विमान (प्रत्येक 1600 करोड़ रुपये मूल्य का) बिना टेक्नोलॉजी के खरीदने का निर्णय किया और यह करार डास्को तथा अंबानी की रिलायंस डिफेंस के बीच हुआ, जिसका 'चौकीदार है साझीदार: राफ़ेल लड़ाकू विमान से जुड़े सवाल-जवाब' तथा राफ़ेलडील: देश का सबसे बड़ा रक्षा घोटाला! 'में सटीक विश्लेषण किया गया है।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री दोनों फ्रांस सरकार के साथ सिक्रेसी एग्रीमेंट का बहाना बनाकर राफ़ेल डील पर सवालों का जवाब देने की बजाये रहस्यमय चुप्पी साधे हुये हैं। आश्चर्य है कि मोदी सरकार ने अपने बचाव में टीवी अभिनेत्री पल्लव जोशी को उतारा है जिसे इस राफ़ेल डील के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

प्रजातंत्र व लोकतंत्र में मीडिया चौथा स्तम्भ होता है परन्तु मीडिया क्योंकि आजकल कॉरपोरेट घरानों द्वारा संचालित है इसलिये मोदी सरकार ने इनके मालिकों को मोदी के विरुद्ध कोई कार्यक्रम न दिखाने के कड़े निर्देश देकर मीडिया पर नकेल कस रखी है। यदि कोई एंकर अथवा एडिटर इन निर्देशों की अनुपालना नहीं करता तो उस चैनल को विभिन्न प्रकार से परेशान किया जाता है और चैनल के मालिक पर दबाव डालकर उसे उस चैनल से ही हटवा दिया जाता है जैसा कि एबीपी चैनल के पुण्य प्रसून वाजपेयी के साथ हुआ। उनको एबीपी चैनल छोड़ने को मजबूर किया गया, जिसका 'पुण्य प्रसून वाजपेयी ने एबीपी छोड़ने की खुद लिखी सिलसिलेवार कहानी' में पूरा कच्चा चिट्ठा खोला गया है।

स्मरण रहे कि न्यूज नेशनल चैनल ने भाजपा सरकार के दबाव में पत्रकार वीरेन्द्र यादव को उन्नाव रेप कांड में आरोपी भाजपा विधायक कुलदीप सिंह की लिप्तता उजागर करने पर चैनल से बाहर कर दिया था। ये मात्र दो ही घटनायें नहीं है, ऐसा कइयों के साथ हुआ है। लोकतंत्र के नाम से लोकतंत्र का गला घोटा जा रहा है और इमरजेंसी की आलोचना करने वाले देश में अघोषित आपातकाल लागू किये हुये हैं।

'बुढ़िया नाले पर मन्त्री कृष्णपाल करें कब्ज़ा तो जायज, अन्य का नाजायज' में केन्द्रीय मंत्री कृष्णपाल गूजर द्वारा सत्ता में भागीदारी का लाभ उठाते हुये बुढ़िया नाले से सटी बहुमूल्य ज़मीन पर अवैध कब्ज़ा करने की कार्यवाई की पोल खोली गयी है। विडम्बना है कि नगर निगम व 'हूडा' के किसी भी अधिकारी ने मंत्री के रौब के भय से इन अवैध निर्माणों को रोकने की कोशिश नहीं की। इससे मोदी व खट्टर सरकार की तथाकथित ईमानदारी और पारदर्शी के दावे की धज्जियां उड़ रही हैं।

केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी तथा स्थानीय केन्द्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल द्वारा लोकसभा चुनाव के मद्देनज़र देश में टोल टैक्स हटाने का वादा किया था, परंतु चुनाव के बाद उनकी सरकारें बनने के बाद वे सभी वादे हवा हो गये तथा टोल के नाम से जनता की लूट जारी है जो कि 'टोल लूट के खिलाफ़ जनता लगी उठने' तथा 'इकरारनामों की बदलती परिभाषा' से स्पष्ट है। गौरतलब है कि वाहन के रजिस्टेशन के समय सरकार द्वारा रोड टैक्स वसूल किया जाता है, इसलिये सरकार का कर्त्तव्य है कि सड़कों का निर्माण करे और टोल के नाम से जनता से लूट बंद करें।

गंगा नदी में डुबकी लगाने जाने पर 'अगर गंगा में डुबकी लगाने से, पाप धुल जाते हैं तो बेचारे अपराधियों, क्यों जेल में ठूंसा जाता है-गंगा में डुबकी लगाकर, उनके पाप क्यों नहीं धो दिये जाते' कांवड़ियों द्वारा अपनी मन्नत पूरी कराने के लिये हरिद्वार से गंगाजल लाकर शिवालय पर चढाने पर 'चीन और अमेरिका अंतरिक्ष में दूसरे ग्रह पर जीवन ढूंढ रहे हैं-और हमारे देश के लोग पहाड़ों में भोलेनाथ को ढूंढ रहे हैं' कार्टूनों द्वारा लोगों में व्याप्त अन्धविश्वास और मनमोहन सिंह की यूपीए सरकार द्वारा 2008 में 2 जी स्पेक्ट्रम 11600 करोड़ रुपये की दर से बेचने के मुकाबले में मोदी सरकार द्वारा 2018 में 5 जी स्पेक्ट्रम केवल 6200 करोड़ रुपये की दर से बेचने पर 'उस समय कांग्रेस पर घोटाले का आरोप लगाने वाले अब क्या कहेंगे? अब कितने का घोटाला हो रहा है???' कार्टून द्वारा मोदी सरकार व भाजपा की नीतियों पर समीचीन व्यंग्य किये गये हैं।